# वागड़ संदेश

Tital Code RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com



सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई मेल editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818



वर्ष-1 | अंक-266 | सागवाड़ा, गुरुवार, 16 जून, 2022 | अवधि: हिन्दी ई-पेपर | पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)


# कोतवाली और धंबोला थानाधिकारी सहित दो कांस्टेबल रिश्वत लेते गिरफ्तार

**डूंगरपुर में जयपुर व अजमेर एसीबी की बड़ी कार्रवाई, दो सीआई व दो कांस्टेबल को 3 लाख 30 हजार की रिश्वत लेते किया गिरफ्तार, पहले लिए 5 लाख रुपए भी किये जब्त * डूंगरपुर के शराब के ठेकेदारों ने शिकायत पर कार्रवाई* एएसपी बजरंग सिंह ने बताया की मामले में डूंगरपुर एसपी सुधीर जोशी की भूमिका भी संदिग्ध है जिसकी भी जांच की जा रही है। वही इसके आलावा पकडे गये आरोपियों के घरो में भी एसीबी द्वारा सर्च किया जा रहा है**

**डूंगरपुर।** जिले में जयपुर व अजमेर एसीबी की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। एसीबी की टीम ने डूंगरपुर जिले के कोतवाली थाना सीआई, धम्बोला थाना सीआई और कोतवाली थाने ने रीडर व आसूचना अधिकारी को शराब ठेकेदार से 3 लाख 30 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। वही इससे पहले लिए 5 लाख रुपए कोतवाली थाने के रीडर की अलमारी से जब्त किये है। आरोपियों ने ये राशी शराब ठेकेदारों को दो मुक़दमे के सेटेलमेंट व शराब के ठेकों की बंधी की एवज में ली थी।

जयपुर एसीबी के एएसपी बजरंग सिंह शेखावत ने बताया की 31 मई को डूंगरपुर के शराब के ठेकेदारों ने शिकायत की थी की डूंगरपुर पुलिस सरकारी शराब के ठेकेदारों से पहले 5 लाख रुपए बंधी ले रही थी। इसके बाद पुलिस अब बंधी 10 लाख रूपये करने का दबाव बना रही है। वही बंधी नहीं बढाने पर झूठे मुकदमो में फंसाने की धमकी दे रही है। जब शराब के ठेकेदारों ने बंधी बढाने से मना कर दिया तो डूंगरपुर जिले की धम्बोला थाना पुलिस व कोतवाली थाना पुलिस ने शराब तस्करी के दो अलग-अलग मामलो में दो शराब के ठेकेदारों के नाम झूठे डाल दिए। इसके बाद कुछ दिन पहले धम्बोला थाना पुलिस व कोतवाली थाना पुलिस ने दोनों शराब के ठेकेदारों को गिरफ्तार भी कर लिया था। इधर इसके बाद पुलिस ने शराब ठेकेदारों पर दोनों मुकदमो के सेटलमेंट के लिए रिश्वत की मांग कर रहे है। परिवादी से शिकायत मिलने के बाद एसीबी की टीम ने शिकायत की पुष्टि की इस दौरान 5 लाख रुपए कोतवाली थाने के सीआई दिलीपदान ने ले लिए थे। वही और राशी की डिमांड कर रहे थे। इसके बाद एसीबी की टीम ने ट्रेप का जाल बिछाया। इसी के तहत डूंगरपुर शहर में शराब ठेकेदार की एक होटल से कोतवाली थाने के रीडर भोपाल सिंह व आसूचना अधिकारी जगदीश विश्नोई को 3 लाख 30 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने धम्बोला सीआई भैयालाल आंजना व कोतवाली थाने के सीआई दिलीपदान के लिए रिश्वत लेने बताया। वही इसके बाद एसीबी ने दोनों आरोपियों से दोनों सीआई से फोन बात करवाकर राशी मिलने का वेरिफेकेशन करवाया और उसके बाद एसीबी की टीम ने सीआई दिलीप दान व सीआई भैयालाल आंजना को भी गिरफ्तार किया। वही एसीबी ने कोतवाली थाने में रीडर भोपाल सिंह की अलमारी से पूर्व में लिए हुए 5 लाख रुपए की राशी भी बरामद की।

## अग्निपथ पर गहलोत-पूनिया आमने-सामने

**जयपुर।** केन्द्र सरकार की सैनिक भर्ती की नई स्कीम अग्निपथ पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया आमने-सामने हो गए हैं। गहलोत ने कहा अग्निपथ योजना युवाओं के भविष्य और देश की सुरक्षा से खिलवाड़ है। उन्होंने केन्द्र सरकार से बिना देरी किए इस स्कीम को वापस लेने की मांग की है। गहलोत ने कहा, राजस्थान के हजारों युवा देशसेवा के लिए सेना में भर्ती होते हैं। पूरे देश में युवा आक्रोशित होकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। अग्निपथ योजना से राजस्थान समेत भारत के लाखों युवाओं में गुस्सा और नाराजगी है। पूरे देश में जिस तरह युवा आक्रोशित होकर विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं, उसे देखते हुए इस योजना को केन्द्र सरकार को बिना देरी किए वापस लेना चाहिए। मैं युवाओं से अपील करता हूं कि विरोध में हिंसा का रास्ता ना अपनाएं। गहलोत ने ट्वीट कर कहा सेना जैसे संवेदनशील संस्थान में संविदा भर्ती करना अविवेकपूर्ण फैसला है। सेना को अभी तक गैर-राजनीतिक और वित्तीय बंधनों से मुक्त रखा गया।

## पूर्व में आये प्रकरणों को सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज नहीं करने पर जताई नाराजगी

### कार्यवाहक कलेक्टर ने की जिला स्तरीय सुनवाई व ली बैठक

**डूंगरपुर।** जिले के कलेक्ट्रेट के आईटी केंद्र में जिला कलेक्टर की विशेष जन सुनवाई आयोजित की गई। इस दौरान कार्यवाहक कलेक्टर हेमेन्द्र नागर ने आईटी केंद्र में जनसुनवाई के साथ वीसी के जरिये भी ब्लाक स्तर की जनसुनवाई की। वही पूर्व जनसुनवाई में आये प्रकरणों का विभागों द्वारा सम्पर्क पोर्टल में दर्ज नहीं किये जाने पर नाराजगी जताई और प्रकरणों को पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिए। डूंगरपुर जिले में विशेष जन सुनवाई कार्यवाहक कलेक्टर व एडीएम हेमेन्द्र नागर की अध्यक्षता एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपेन्द्र सिंह राठौड़ की मौजूदगी में वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्ट्रेट स्थित आईटी केंद्र में आयोजित हुई।

वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग जनसुनवाई में अतिरिक्त जिला कलक्टर हेमेन्द्र नागर ने उपखण्ड एवं पंचायत स्तर पर पूर्व में आयोजित हुई जनसुनवाई के प्रकरणों को सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज नहीं किये जाने पर नाराजगी जताई और उन्होंने सीमलवाड़ा, सागवाड़ा, समाज कल्याण, स्वास्थ्य विभाग एवं बाल विकास विभाग अपने-अपने बकाया प्रकरणों को दर्ज करने के निर्देश प्रदान किये है। इधर जनसुनवाई में 40 प्रकरण प्राप्त हुए, जिस पर कार्यवाहक कलेक्टर नागर ने तत्काल ही संबंधित अधिकारी से ऑनलाईन बात कर उसके निष्पादन के निर्देश दिये है। साथ ही उन्होंने मौके पर आये प्रकरण को जिला स्तरीय अधिकारी को भी जानकारी देकर उसके समस्या के समाधान करने के निर्देश प्रदान किये है। जनसुनवाई में सीमलवाड़ा, डूंगरपुर शहर, आसपुर, गलियाकोट, बिछीवाड़ा, सागवाड़ा, झौंथरी, दोवड़ा, देवल एवं गामड़ी देवल के प्रकरण प्राप्त हुए है। जिसमें अधिकांश, अतिक्रमण, भूमि आवंटन, गलत पट्टे जारी करने, नल कनेक्शन, निविदा एवं अनियमितता को लेकर प्रार्थना पत्र शामिल है। कार्यवाहक कलेक्टर ने सम्बंधित विभागों के अधिकारियो को प्रकरणों के जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सभी विभागों के जिला स्तरीय व ब्लाक स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

### कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने फूंका पीएम का पुतला

# मोदी सरकार लोकतंत्र को खत्म करने में जुटी : ओला

**जयपुर/ झुंझुनूं।** राहुल गांधी को ईडी का नोटिस देकर बुलाए जाने से नाराज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका। दोपहर में कांग्रेस कार्यकर्ता सर्किट हाउस एकत्रित हुए। यहां से रैली के रूप में संगठन प्रभारी फूलसिंह ओला के नेतृत्व में रवाना हुए। कलेक्ट्रेट पहुंचकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री मोदी का पुतला फूंका। कांग्रेस संगठन प्रभारी फूल सिंह ओला ने कहा कि मोदी सरकार लोकतंत्र को खत्म करने में जुटी हुई है। केंद्र सरकार के इशारे पर कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी और राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी को ईडी द्वारा लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। जिसे कांग्रेस कार्यकर्ता बर्दाश्त नहीं करेगा। नवलगढ के पूर्व उपप्रधान ताराचंद सैनी ने कहा कि वर्तमान में देश की एकता और अखंडता खतरे में है। केंद्र सरकार ईडी और सीबीआई को हथियार बनाकर विपक्ष को कुचलने का कुचक्र कर रही है।

## चोरों ने गुजरात की सीमा पर वीरपुर गांव स्थित अंग्रेजी शराब के ठेके को अपना निशाना बनाया

**डूंगरपुर।** जिले में चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही है। बीती रात चोरों ने गुजरात की सीमा पर वीरपुर गांव स्थित अंग्रेजी शराब के ठेके को अपना निशाना बनाया। ठेके से चोर लाखो रुपये का कैश ओर महंगी शराब के कार्टन चुरा गए गए। चोरी की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है।

रामसागड़ा थानाधिकारी अमृतलाल ने बताया कि गुजरात की सीमा पर स्थित वीरपुर गांव में अंग्रेजी शराब का सरकारी ठेका है। बीती रात बिजली चली जाने के बाद गर्मी लगने के चलते दुकान का सेल्समेन सुरेंद्र डामोर दुकान के बाहर आकर सो गया। तभी मौका पाकर रात करीब 1 बजकर 42 मिनट पर 2 चोर ठेके के पीछे के दरवाजे को तोड़कर अंदर घुसे। दोनों चोरों ने अपने मुंह पर कपड़ा बांध रखा था। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है एक बदमाश ने गल्ले में रखे। लाख 84 हजार।00 रुपये चुरा लिए । इसके बाद दोनों चोर ठेके से महंगी ब्रांड की शराब का एक कार्टन साथ लेकर रवाना हो गए। शराब ठेकेदार में वारदात की सूचना रामसागड़ा थाना पुलिस को दी जिस पर पुलिस मौके पर पहुची ओर घटना की जानकारी ली। फिलहाल सेल्समेन की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है वहीं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

# सागवाड़ा में खनन माफियाओं को खनन विभाग की खुली छूट

**अवैध खनन की शिकायतें मिलने के बाद भी तीन दिन से नहीं हुई एक भी कार्रवाई**
**इन गांवों में रात दिन खुदाई - शहर के आठ किमी के दायरें में घाटा भाविता, कानपुर, सेलोता, भीमदड़ी, पादरा, गामड़ा, गोवाड़ी, नंदौड़, खड़गदा, घोटाद, लिमड़ी, फलातेड, जेठाना में भी अवैध खनन**

**सागवाड़ा।** उपखंड क्षेत्र सागवाड़ा में खनन माफियाओं को खुली छूट मिली हुई है। खनन विभाग के अधिकारी बेपरवाह बने हुए हैं और इधर, खनन माफिया नये ठिकाने तलाश रहे हैं। क्वार्ट्ज के अवैध खनन और भंडारण को लेकर पटवारी अपनी रिपोर्ट प्रशासन को दे चुके हैं लेकिन खनन विभाग ने पिछले कुछ दिनों से कार्रवाई करना बंद कर दिया है। खनन विभाग की जीप अब तक ठीक नहीं हुई है ऐसे में क्वार्ट्ज के अवैध खनन के खिलाफ भी कार्रवाई ठंडे बस्ते में है। सागवाड़ा शहर सहित आसपास के गांवों में दिन रात क्वार्ट्ज पत्थर का अवैध खनन किया जा रहा है। खनन माफिया इतने बेखौफ हैं कि इन्हें न तो प्रशासन का डर है न ही पुलिस का। खनन विभाग से मिलीभगत के चलते इन पर हाथ डालने वाला कोई नहीं है। खनन माफिया गांवों के साथ साथ सागवाड़ा शहर में भी क्वार्ट्ज निकाल रहे हैं या फिर कुछ जगह से निकाल भी लिया है। पिछले दिनों खनन विभाग डूंगरपुर के एमई दिलीप सुथार और फोरमेन जसवंत सिंह सागवाड़ा आये थे लेकिन क्वार्ट्ज के अवैध खनन के खिलाफ सिर्फ रिपोर्ट लेकर वापस डूंगरपुर चले गए। सागवाड़ा तहसीलदार मयूर शर्मा ने उन्हें क्षेत्र में अवैध खनन संबंधित जानकारी भी दी और कार्रवाई में सहयोग की भी बात कही लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। ऐसे में ये साफ है कि यहां खनन माफिया को खुली छूट मिली हुई है।

### पूरे मामले में पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी व सरपंच की भूमिका संदिग्ध

## भूमाफिया ने पंचायत की बेशकीमती भूमि पर बनाई 5 दुकाने, पंचायत खामोश

डूंगरपुर। जिले की बिछीवाडा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत बिछीवाडा में राजकीय अस्पताल के पास पंचायत की बेशकीमती जमीन पर भू माफिया ने 5 दुकानों का निर्माण कर दिया है। वही मामले में पंचायत ने न तो भूमाफिया को नोटिस जारी किया और न ही पंचायत ने अतिक्रमण तोड़ने की कार्रवाई की है। पूरे मामले में पंचायत खामोश है। ऐसे में मामले में पंचायत के सरपंच व ग्राम विकास अधिकारी की मिलीभगत से इनकार नहीं किया जा सकता। जिस भूमि पर दुकाने बनाई गई है उस भूमि की कीमत बाजार भाव के अनुसार एक करोड़ रुपए की है। डूंगरपुर जिले की बिछीवाडा पंचायत में सरपंच शारदा कोटेड व ग्राम विकास अधिकारी हीरालाल अहारी द्वारा भूमाफिया से मिलकर बड़े खेल खेले जा रहे है। दरअसल डूंगरपुर जिले के बिछीवाडा राजकीय अस्पताल की दीवार से लगते हुए बिछीवाडा पंचायत की बिलानाम भूमि है। जिसकी कीमत बाजार भाव के अनुसार एक करोड़ के करीब है। लेकिन पंचायत की अनदेखी या यू कहे की पंचायत की सरपंच व ग्राम विकास अधिकारी की मिलीभगत से भूमाफिया अरविन्द लबाना ने उक्त बेशकीमती जमीन पर कब्ज़ा करते हुए 5 दुकानों का निर्माण कर लिया गया है। वही निर्माण के बाद उक्त दुकानों से भूमाफिया ने व्यापार भी शुरू कर दिया है।

### जांच के बाद होगी कार्रवाई- सीईओ जिला परिषद

इधर बिछीवाडा पंचायत की बेशकीमती जमीन पर भूमाफिया द्वारा कब्जा कर दुकाने बनाने के मामले में जब डूंगरपुर जिला परिषद के सीईओ दीपेन्द्र सिंह राठोड से बात की गई तो सीईओ दीपेन्द्र सिंह ने मामले की जांच करवाने और दोषी पाए जाने वाले कार्रवाई के साथ अतिक्रमण हटाने की बात कही है। बहराल डूंगरपुर जिला परिषद सीईओ दीपेन्द्र सिंह राठोड ने मामले की जांच करवाते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है। लेकिन पहले भूमाफिया द्वारा पंचायत की बेशकीमती जमीन पर कब्ज़ा और उसके बाद वहा पर दुकानों का निर्माण होना और पूरे मामले में पंचायत की खामोशी मिलीभगत की ओर इशारा करता है। खेर अब देखने वाली बात होगी की मामले में क्या कार्रवाई की जाती है।

### पंचायत खामोश, भूमिका संदिग्ध

इधर पूरे मामले में बिछीवाडा की सरपंच शारदा कोटेड व ग्राम विकास अधिकारी हीरालाल अहारी की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है। भूमाफिया ने पंचायत की बेशकीमती जमीन पर पहले कब्ज़ा किया गया। उसके बाजवूद उस कब्जे को पंचायत द्वारा हटाया नहीं गया। वही ईतना ही नहीं कब्जे के बाद भूमाफिया अरविन्द लबाना ने पंचायत की कब्जेशुदा बेशकीमती जमीन पर 5 दुकानों का निर्माण कार्य शुरू किया तब भी पंचायत की ओर से उस निर्माण कार्य पर ध्यान नहीं दिया गया और न ही इस सम्बन्ध में भूमाफिया को किसी प्रकार का नोटिस देकर निर्माण कार्य रुकवाया गया। वही अब दुकानों का निर्माण कार्य पूरा हो चूका जहा पर भूमाफिया द्वारा उक्त दुकाने किराए पर देकर व्यापार किया जा रहा है। लेकिन पंचायत की ओर से अभी तक अतिक्रमण हटाने की भी कार्रवाई नहीं की गई है। वही जब इस मामले में सरपंच व ग्राम विकास अधिकारी से बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने बात करने से ही मना कर दिया।

### डीजीपी हो तो एमएल लाठर जैसा, बुजुर्ग दंपति की सुनी फरियाद

## बहु से मिलीभगत कर रिश्वत लेने वाला ASI सस्पेंड

**अजमेर।** रेलवे से रिटायर्ड बुजुर्ग दंपती ने जब पुलिस को अपनी दास्तां सुनाई तो वे भी हैरान हो गए। इन दंपती का आरोप है कि इंजीनियर बेटे की पत्नी उन्हें परेशान करती हैं। यहां तक की कई बार गाली-गलौज कर चुकी हैं। इतने से भी मन नहीं भरा तो बीपी की दवाइयां छिन ली गई। परेशान होकर थाने पहुंचे तो एएसआई ने 20 हजार रुपए की रिश्वत मांगी। वह भी उसे दे दी। लेकिन, अब कार्रवाई के नाम धमकाया जा रहा है। इधर, मामला जब डीजीपी एमएल लाठर और अजमेर एसपी तक पहुंचा तो एएसआई को सस्पेंड कर दिया गया। मामला अजमेर शहर के बी ब्लॉक पंचशील नगर का है। सरदार ओंकार सिंह नागी ने बताया कि वह 2002 में रेलवे से रिटायर्ड है। उनकी पत्नी ज्ञान कौर हाउस वाइफ है। उन्होंने बेटे दलबीर सिंह की शादी 31 मार्च 2015 को ब्यावर की रहने वाली उरमीत से करवाई थी। पीड़ित ओंकार सिंह ने आरोप लगाया कि उनकी बहू शादी के बाद से ही उन्हें अलग-अलग तरीकों से परेशान कर रही है। जून 2021 में बेटे और बहू को अलग भी कर दिया। लेकिन, बावजूद इसके बहू घर में डेरा जमा कर बैठी है और गाली गलौज करने के साथ ही आए दिन हंगामा करती है। ओंकार सिंह ने बताया कि कई बार तो बहू के पीहर वाले भी आकर धमकियां देकर जाते हैं। नागी ने बताया कि 30 मार्च 2022 को बहू उरमीत ने कुछ अनजान लोगों को घर में बुलाकर उन्हें व उनकी पत्नी को डराने व धमकाने का प्रयास किया था। इस 31 मार्च को क्रिश्चियनगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। मामले में थाने के.स्ड्ढ कानाराम ने जांच शुरू की थी। लेकिन, उनका पक्ष सुने बिना फटकार लगाना शुरू कर दिया। डीजीपी के सामने उन्होंने एएसआई पर आरोप लगाया कि विरोध करने पर वह साफ कहते थे कि वह उनकी बहू का पक्ष लेंगे।